Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3306

[Total No. of Pages : 3

[5102] Ext.- 41
M.A. (Part - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 1 : सामान्य स्तर
प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास, बिहारी और भूषण)
(2013 पॅटर्न)

समय: 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अमीर खुसरो के काव्य में चित्रित समाज का वर्णन कीजिए ।

अथवा

जायसी के वियोग वर्णन की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 2) कलापक्ष की दृष्टि से सूर के भ्रमर गीत की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'बिहारी सतसई' ''श्रृगार प्रधान होते हुए भी भक्तिभाव से शून्य नहीं हैं''। इस कथन के अवलोकन में बिहारी की भक्ति पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) भूषण के काव्य की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) अमीर खुसरो की भाषा ;

ख) नागमती का चरित्र – चित्रण

ग) सूर की गोपियाँ ;

घ) बिहारी की अलंकार योजना;

च) भूषण के काव्य का शिल्पविधान

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) अमीर खुसरों की पहेलियाँ और मुकरियों में लोकरंजकता' को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ख) रत्नसेन की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

ग) भ्रमर की व्यंजना शक्ति पर प्रकाश डालिए।

घ) पठित दोहों के आधार पर बिहारी की बहुज्ञता को स्पष्ट कीजिए।

च) भूषण कालीन राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों का वर्णन किजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) आठ अंगुल का है वह असली।

उसके हड्डी न उसके पसली।।

लटाधारी गुरू का चेला।

ऐ सखी साजन ना सखी केला।।

ख) सखि एक तेइँ खेल न जाना। चित्त अचेत भइ हार गवाँवा।।

कॅवल डार गहि भैं बेकरारा। कासों पुकारौं आपन हारा।।

कत खेलै आइउँ एहि साथाँ। हार गॅवाई चलिऊँ सैं हाथाँ।।

घर पैठत पूँछब एहि हारू। कौनु उतर पाउबि पैसारू।।

नैन सीप आँसुन्ह तस भरे। जानहु मोंति गिरहिं सब ढरे।।

ग) बरू वै कुब्जा भलो कियो।

सुनि सुनि समाचार ऊधो मो कछुक सिरात हियो।।

जाको गुन, गति, नाम,रूप, हरि हारयो, फिरि न दियो।

तिन अपनो मन हरत न जान्यो हँसि हँसि लोग जियो।।

सूर तनक चंदन चढ़ाय तन ब्रजपति वस्य कियो।

और सकल नागरि नारिन को दासी दाँव लियो।।

घ) खेलन सिखए , अलि, भलै चतुर अहेरी मार।

कानन – चारी नैन – मृग नागर नरनु सिकार।।

च) केतिक देस दल्यो दल के बल, दच्छिन चंगुल चाँपिकै चाख्यौ।

रूप गुमान हरयो गुजरात को, सूरत को रस चूसि कै नाख्यौ।।

पंजन पेलि मलिच्छ मले सब, सोई बच्यो जेहि दीन ह्वै भाख्यौ।

सो रंग है सिवराज बली, जिन नौरंग में रँग एक न राख्यौ।।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3307

[Total No. of Pages : 2

[5102]Ext.- 42
M.A. (Part - I)
(HINDI) हिंदी
प्रश्नपत्र - 2 : विशेष स्तर
आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य
(उपन्यास, कहानी, नाटक, और निबंध)
(2013 Pattern)

समय: 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'वह क्या था?' और 'रिमाइण्डर' कहानियों की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

हिंदी कहानी के उद्‌भव एवं विकासक्रम का संक्षेप में परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) 'कली कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कली कथा : वाया बाइपास' उपन्यास में लेखक ने तीन पीढ़ीयों की संघर्ष गाथा चित्रित है, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) 'अभग–गाथा' नाटक के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

अथवा

अभंग – गाथा नाटक के कथ्य एवं शिल्प पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) अंधी जनता और लंगडा जनतंत्र निबंध की तात्विक दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

अथवा

'पुस्तकालय : सन्त मिलन का उत्तम मार्ग' और मिले तो पछताए' निबंध की विशेषताएँ लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''पाँचवी बार सवाल करने पर एक साहब ने मुट्ठी भर चने मेरे हाथ पर रख दिये। चने मेरे हाथ से छूटकर गिर पडे और आँखो से ऑसू बहने लगे । हाय यह मेरा प्यारा देश नही हैं, यह कोई और देश है। यह हमारा मेहमान और मुसाफिर का आवभगत करनेवाला प्यारा देश नहीं, हरगिज नहीं।''

अथवा

''अब पता चल रहा है कि न जाने कितनी लड़कियों ने इसलिए आत्महत्या की है क्यों कि उनके पास शरीर ढंकने तक की कपडे नहीं थे। कितनी लडकियों ने अपने आप को इसलिए बेचा कि उनके पेठ की भुख उनकी अंतडियों को खाने लगी थी।''

ख) ''जानते हो मंबा जी का हाल। उसका व्यवहार बड़ा अजीब हो चुका है। कहता है – सारा मकान टूट – फूट गया है, दीवारें ढह रही है। आओ इन्हें थामें। ऊलजलूल बोलता रहता है– ढहती दीवारों पर यह कौन–सी अबुझ लिपि है? मुझसे क्यों नहीं पढ़ी जा रही?''

अथवा

'' निश्चय ही 'उनमें से एक ने काहा', स्वर्ग के द्वार खुल जाते हैं, हमारे सामने। देश काल से अतीत होकर हम प्रतिभा के नये क्षेत्रों में पहुँच जाते हैं।''

ⓘⓘⓘ

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3308

[Total No. of Pages : 2

[5102] Ext.- 43
M.A. (Part - I)
HINDI (हींदी)
प्रश्नपत्र - 3 : विशेष स्तर
भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
(2013 पॅटर्न)

समय: 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) रस निष्पत्ति संबंधी अभिनव गुप्त की व्याख्या स्पष्ट करते हुए साधारणीकरण की अवधारणा विशद कीजिए।

अथवा

औचित्य सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट कर अन्य सिद्धांतो के संदर्भ में औचित्य के महत्व को विशद कीजिए।

प्रश्न 2) अलंकार शब्द की परिभाषा देते हुए अलंकार सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ध्वनि सिद्धांत का विस्तार से परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) अनुकरण सिद्धांत विषयक प्लैटो और अरस्तू के विचारों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

रिचर्डस के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) इलियट की निवैयक्तिकता संबंधी अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

तुलनात्मक तथा सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना प्रणालियों का परिचय दीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) रीति और गुण

ख) वक्रोक्ति सिद्धांत का महत्व

ग) उत्तरआधुनिकता

घ) काव्य में उदात्त तत्व।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3309

[Total No. of Pages : 8

[5102]Ext.-44

M.A. (Part - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

विशेष साहित्यकार अथवा विशेष विद्या तथा अन्य

(2013 Pattern)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित में से किसी एक पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए

अ) कबीर तथा तुलसीदास

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक: 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।

प्रश्न 1) संत काव्य परंपरा का परिचय देते हुए उसमें कबीर का स्थान निर्धारित कीजिए ।

अथवा

कबीर के सामाजिक विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) 'भक्तिकाल के कवियों में कबीर सबसे आधिक विद्रोही कवि हैं' – स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कबीर काव्य की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) 'रामचरितमानस' का महाकाव्यत्व स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'रामचरितमानस' की भाषा और शैली पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

प्रश्न 4) विनयपत्रिका में व्यक्त तुलसी के भक्तिभाव की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

विनयपत्रिका के कला पक्ष पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) बिरहनि ऊभी पंथ सिरि, पंथी बूझै धाइ ।

एक सबद कहि पीव का, कडा रे मिलैगे आइ ।।

अथवा

कबीर यहु घर प्रेम का, खाला का घर नाहिं ।

सीस उतारै हाथि करि, सो पैसे घर माँहि ।।

ख) जाउँ कहाँ तजि चरण तुम्हारे ।

काको नाम पतित– पावन जग, केहि अति दीन पियारे ।।1।।

कौन देव बुराइ बिरद – हित हठि – हठि अधम उधारे ।

खग, मृग, ब्याध पषान, बिटप जड़ जवन कवन सुर तारे ।।2।।

देव, दनुज, मुनि नाग, मनुज, सब, माया– बिबस बिचारे ।

तिनके हाथ दास तुलसी प्रभु, कहा अपनपौ हारे ।।3।।

अथवा

रिधि सिधि नदो सुहाई उमगि अवध अंबुधि कहुँ आई ।

मनिगन पुर – नर – नारि – सुजाति, सुचि अमोल सुंदर सबभाँती।।

○○○

Total No. of Questions : 5]

P3309

[5102]Ext.-44
M.A. (Part - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी यात्रा साहित्य
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक: 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।

प्रश्न 1) 'परिशिष्ट' उपन्यास की कथावस्तू संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'अलग – अलग वैतरणी' उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 2) उपन्यास की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके तत्वों का परिचय दीजिए ।

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास में चित्रित समस्या स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) यात्रा साहित्य का वर्गीकरण विस्तार से लिखिए ।

अथवा

''डॉ श्यामसिंह शाशि न केवल घुमंतू हैं बल्कि यायावर शास्त्री भी है'' 'सूर्यमंदिर की खोज में' के आधारपर कथन का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 4) हिंदी यात्रा साहित्य का विकास क्रम स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

यात्रा साहित्य के तत्वों के आधार पर 'एक बूँद सहसा उछली' की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''महाराज घर में न गाय हैं, न बछिया, न पैसा । यही पैसे हैं, यहीं इनका गो – दान है ।''

अथवा

''क्या कहा, इस परिवर्तनशील संसार में किसी भी चीज का बदल जाना' अस्वाभाविक नहीं है? तो फिर समझ लूँ कि चित्रलेखा का प्रेम बदल सकता है।''

ख) ''पहाडों पर चाँदनी का यह अद्‌भुत माया।–जाल मैंने पहली बार देखा था और एक अलौकिक विस्मय में मेरी आँखें अनायास मुँद गयी थी ।''

अथवा

''सबके कान खडे हो गये । कादिरभाईने कहा–'' करूणा भरी आवाज अचा – चेंगा ने एक साँस में कह डाला – अरे वही नेपाली जो इसी कोठरी में अपना गला काटकर मर गया था ।''

○○○

Total No. of Questions : 5]

P3309

[5102]Ext.-44
M.A. (Part - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा कवि रामधारी सिंह दिनकर
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक: 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।

प्रश्न 1) हिंदी नाटक की प्रयोग धर्मिता को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

हिंदी नाटक के विकास क्रम में नाटक कार सुरेंद्र वर्मा के योगदान का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' नाटक के चरित्र – चित्रण पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

मंचीयता के आधार पर 'सेतूबंध' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 3) जनजागरण संबंधी आधुनिक काव्यधारा में कवि दिनकर की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

राष्ट्रीय कवि दिनकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) 'बापू' काव्य के अनुभूति पक्ष को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'उर्वशी' में प्रेम भाव सशक्त रूप में अभिव्यक्त हुआ हैं।'' स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''..... नारीत्व की सार्थकता मातृत्व में नहीं है, महामात्य ! है केवल पुरूष से संयोग के उस सुख में ..... मातृत्व केवल गौण उत्पादन है ..... जैसे दही से निकलता तो मक्खन है, लेकिन तलछट में थोड़ी सी छाछ भी बच जाती है ..... हम सब है , छाछ..... .... मक्खन कुछ और था, जो जन्मदाताओं के जीवन में रस घोल गया ।.....''

अथवा

''युवक सुने तो उत्तेजित हो जायें और युवतियाँ सूने तो उन्मत । ..... यह काव्य नहीं मदिरा का मादक चषक है सुन्दरी।''

ख) ''मत साथ लगे कोई मेरे,

एकाकी आज चलूँगा मैं,

जो आग उन्हें है भून रही,

उसमें जा स्वयं जलूँगा मैं।''

अथवा

''मैं नाम – गोत्र से रहित पुरूष,

अम्बर में उड़ती हुई मुक्त आनंद – शिखा

इतिवृतहीन,

सौन्द्रर्य – चेतना की तरंग;

सुर – नर – किन्नर – गन्धर्व नहीं ;

प्रिय ! मैं केवल अप्सरा

विश्वनर के अतृप्त इच्छा – सागर से समुभ्दूत ।''

○○○

Total No. of Questions : 5]

P3309

[5102]Ext.-44
M.A. (Part - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 (वैकल्पिक)
ई) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा दलित साहित्य
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक: 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।

प्रश्न 1) प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषाएँ देकर उसकी विभिन्न प्रयुक्तियाँ विशद कीजिए ।

अथवा

विज्ञापन लेखन का महत्व समझाकर विज्ञापन की भाषिक विशेषताएँ लिखिए ।

प्रश्न 2) पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषाएँ लिखकर शब्द निर्माण की प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लेखन के मूलभूत सिद्धांत स्पष्ट करते हुए टेलीविजन माध्यम लेखन के विभिन्न प्रकार विस्तार से लिखिए ।

प्रश्न 3) वेब पाब्लिशिंग का परिचय देते हुए हिंदी के वेब साईटस् और शब्द कोश साईट की विस्तृत जानकारी दीजिए ।

अथवा

'जस तस भई सवेर' उपन्यास में शोषण और मरहम लेपन व्यवस्था को उजागर किया है, सोदाहरण समझाइए ।

प्रश्न 4) 'कवि जयप्रकाश कर्दम दलित अस्मिता और अस्तित्व के पक्षधर हैं' पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

किंवा

'जूठन' आत्मकथा के आधार पर दलित विमर्श को विशद कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''देखो भाई, कहो तो अपनी पगड़ी उतारकर, तुम्हारे पैरों पर, रख दूँ। ब्राह्मण के चक्कर में पड़ने से इतना नुकसान हो गया । अब और ज्यादा नुकसान तुम मत करों ।''

अथवा

''किसी भी विद्यार्थी को कुछ पूछना हो या शंका हो तो बिना हिचक पूछ सकता है । घर में आ सकता है । मैं चाहता हूँ, मेरी कक्षा का हर विद्यार्थी अच्छे अंक लाए।''

ख) ''जाति बन्धन का विचार न करें । जाति बन्धन को नहीं मानती । माता – पिता को मैं मना लूँगी। गरीबी – अमीरी के प्रश्न पर मैंने विचार कर लिया है । मैं हर हाल में आपके साथ निर्वाह करूँगी। मुझे केवल आपका सान्निध्य चाहिए । धन–दौलत का भरपूर स्वाद चखा है ।''

अथवा

''सब अपने – आप में मस्त हैं

अपनी – अपनी फेमिलियों में व्यस्त हैं

सबके जीवन में आहलाद है

सबके जीवन में सवेरा है

लेकिन माँ की जिन्दगी में

आज भी अंधेरा है ।''

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3310

[Total No. of Pages : 2

[5102]Ext.-45
M.A. (Part - II)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र –5 : सामान्य स्तर: आधुनिक काव्य
(महाकाव्य, खंडकाव्य, विशेष कवि,और नई कविता)
(2013 Pattern)

पाठ्यपुस्तके :– *1) कामायनी – जयशंकर प्रसाद*
2) गोपा गौतम – जगदीश गुप्त
3) विशेष कवि कुँवर नारायण – संपा. डॉ. सुरेश बाबर,डॉ नीला बोर्वणकर
4) नई कविता – संपा. डॉ.सुरेश बाबर,डॉ. अलका पोतदार.

समय: 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :–1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) ''कामायनी एक श्रेष्ठ महाकाव्य है'' – स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'कमायनी' के आधार पर 'श्रद्धा' के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) 'गोपागौतम' खंडकाव्य का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'गोपा गौतम' खंडकाव्य के चरित्रों का चित्रण कीजिए ।

प्रश्न 3) ''कुँवर नारायण के काव्य में आधुनिक प्रवृतियों को बड़ी सहजतासे चित्रित किया गया है''। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कुँवर नारायण के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

प्रश्न 4) ''दामोदर मोरे की कविताएँ आधुनिक यथार्थ बोध को अंकित करती हैं । स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

नई कविता के अनुभूति पक्ष का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) 'ओ चिंता की पहली रेखा अरी विश्व बन की व्याली ज्वालामुखी स्फोट के भीषण,
प्रथम कंप सी मतवाली'

अथवा

''अनुरक्ति और विरक्ति में वहाँ
सिर्फ एक कदम अंतर होता है जहाँ
परिस्थितियों के मोड़ पर
पहुँचकर अकस्मात
अनायास राह बदल जाती है ।''

ख) ''शरीर के भरोसे दिल
मजदूर के भरोसे मिल
सरकार के भरोसे देश
लेकिन किस के भरोसे छोड़ी जाए
जवान लड़की ?
किसके भरोसे छोड़ी जाए
अकेली औरत ?''

अथवा

''कविता वक्तव्य नहीं गवाह है
कभी हमारे सामने
कभी हमसे पहले
कभी हमारे बाद
कोई चाहे भी तो रोक नहीं सकता
भाषा में उसका बयान
जिस का पूरा मतलब है सचाई
जिसकी पूरी कोशिश है बेहतर इन्सान''

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3311

[Total No. of Pages : 2

[5102]Ext.-46
M.A. (Part - II)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र –6 : विशेष स्तर (बहिस्थ)
भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पुर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भाषा की परिभाषा देते हुए भाषा के अभिलक्षण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

स्थान के आधार पर व्यंजन वर्गीकरण विशद कीजिए ।

प्रश्न 2) अर्थबोध के साधनों का परिचय देते हुए शब्द और अर्थ का संबंध स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

वाक्य की परिभाषा और स्वरूप स्पष्ट करते हुए वाक्य संबंधी महत्वपूर्ण सिद्धांतों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) मध्यकालीन अपभ्रंश भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए ।

अथवा

ब्रज और खड़ीबोली की व्याकरणिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) हिंदी प्रसार के आंदोलन में प्रमुख संस्थाओं के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपियों का परिचय दीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

अ) भाषा का स्वरूप,

ब) स्वनिम के भेद,

क) राजभाषा के रूप में हिंदी,

ड) अवधी की व्याकरणिक विशेषताएँ।

❍❍❍

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3312

[Total No. of Pages : 2

[5102]Ext-47
M.A. (Part - II)
हिंदी (Hindi)
प्रश्नपत्र –7 : (बहिस्थ):विशेषस्तर
हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तथा आधुनिक काल)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन एवं नामकरण का परिचय दीजिए ।

अथवा

आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ विशद कीजिए ।

प्रश्न 2) भक्तिकालीन साहित्य की राजनीतिक धार्मिक तथा सामाजिक पृष्ठभूमि विशद कीजिए ।

अथवा

प्रेममार्गी काव्यधारा की प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए प्रमुख सूफी कवियों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) रीतिकाव्य धारा का परिचय देते हुए कवि घनानंद के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

रीतिसिद्ध काव्य की विषयगत और शैलीगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) हिंदी निबंध साहित्य के विकास का परिचय दीजिए ।

अथवा

छायावादी कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) सिद्ध साहित्य.

ख) कृष्णंभक्त कवि रसखान.

ग) रीतिकालीन कवि पद्माकर.

घ) भारतेन्दु युगीन गद्य साहित्य.

❍❍❍

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3313

[Total No. of Pages : 6

[5102]Ext.-48
M.A. (Part - II)
हिंदी (Hindi)
प्रश्नपत्र –8 : वैकल्पिक (बहिस्थ)
अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया:स्वरूप और क्षेत्र
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उद्देश्य सोदाहरण लिखिए ।

अथवा

हिंदी आलोचना के विकासक्रम पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

डॉ. नगेन्द्र की आलोचना का स्वरूप देकर उसकी विशेषताएँ समझाइए ।

प्रश्न 3) अनुसंधान के लिए प्रयुक्त शब्द एवं परिभाषाएँ स्पष्ट करते हुए अनुसंधान के उद्देश्य सोदाहरण लिखिए ।

अथवा

अनुसंधान के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) अनुसंधान कर्ता एवं शोध निर्देशक के गुणों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

भाषा और साहित्य के अध्यापन सूत्रों पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) आलोचना और अनुसंधान

ख) आलोचक के गुण

ग) आलोचक डॉ. रामविलास शर्मा

घ) अनुसंधान के घटक

❍❍❍

Total No. of Questions : 5]

P3313

[5102]Ext.-48
M.A. (Part - II)
हिंदी (Hindi)
प्रश्नपत्र –8 : वैकल्पिक (बहिस्थ)
आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) अनुवाद की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

अनुवाद के स्वरूप को विशद करते हुए स्पष्ट कीजिए कि अनुवाद कला है या विज्ञान?

प्रश्न 2) विद्या के आधार पर अनुवाद के प्रकार स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

अनुवाद की समस्याओं का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) हिंदी पत्रकारिता के उद्‌भव और विकास को विशद कीजिए ।

अथवा

पत्रकारिता और साहित्य के सहसंबंध पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) वैश्विकीकरण की प्रक्रिया में जनसंचार माध्यमों का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम विशद कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) पद्यानुवाद

ख) भाषा विज्ञान के अंग और अनुवाद

ग) साक्षात्कार

घ) महिला स्तंभ

Total No. of Questions : 5]

P3313

[5102]Ext.-48
M.A. (Part - II)
हिंदी (Hindi)
प्रश्नपत्र –8 : विशेष स्तर – वैकल्पिक(बहिस्थ)
इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) लोकसाहित्य का स्वरूप और महत्व स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लोकसाहित्य संकलन के उद्देश्य एवं समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) लोककथा की विशेषताएँ स्पष्ट कर लोक कथाओं के वर्गीकरण को विशद कीजिए ।

अथवा

लोकनाट्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए महाराष्ट्र में प्रचलित प्रमुख लोकनाट्यों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'बारोमास' उपन्यास में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) 'नागमंडल' में भारतीय स्त्री का भाव विश्व चित्रित हुआ है । कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'खानाबदोश' में मानवीय मूल्यों की अभिव्यक्ति हुई है' कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) पहेलियाँ और मुकरियाँ

ख) लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर

ग) 'बारोमास' का नायक

घ) 'नागमंडल' का शीर्षक